RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 128
दि. 07.09.2025, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

हमने पाले खालिस्तानी आतंकवादी', कनाडा का कबूलनामा

खालिस्तानी आतंकवादियों को पालने की बात कनाडा अब मान ली है। कनाडा के फाइनेंस डिपार्टमेंट की एक नई रिपोर्ट में पहली बार यह स्वीकार किया गया है। इसमें कनाडा ने खालिस्तानी आतंकवादियों को चरमपंथी भी कहा है। इसके अलावा माना कि ये चरमपंथी गुट कनाडा में सक्रिय हैं और उन्हें वित्तीय सहायता मिल रही है। कनाडा का इसे स्वीकार करना भारत के लिए एक बड़ी बात है।

कनाडा की इस रिपोर्ट जिसका शीर्षक "कनाडा में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी को फंडिंग के सबसे बड़े खतरे और कमजोरियां" है।

पीएम मोदी ने पहले दिया डोनाल्ड ट्रंप को जवाब, अब फोन पर की फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से बातचीत

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी के साथ अपने रिश्तों पर बड़ा बयान दिया था जिसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर एक पोस्ट के जरिए जवाब दिया। इसके बाद आज अब उनकी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से बातचीत हुई।

टैरिफ को लेकर जारी टकराव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत-अमेरिका के संबंधों के मुद्दों पर सटीक जवाब दिया। अब प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से फोन पर लंबी बातचीत की और दोनों देशों के बीच रिश्तों को मजबूत करने के लिए काम करने की बात कही।

दरअसल, पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से फोन पर बातचीत की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी है। यह फोन कॉल अहम इसलिए रही क्योंकि एक तरफ रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध

पिछले साढ़े तीन साल से जारी है, तो दूसरी ओर भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ और ट्रेड के मुद्दे पर तनातनी की स्थिति है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, ह्लराष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा और सकारात्मक मूल्यांकन किया। यूक्रेन में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के प्रयासों सहित अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी, वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी।

क्यों अहम है ये बातचीत?

पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों के बीच बातचीत अहम इसलिए भी है क्यों कि बीते एक महीने में ये दोनों नेताओं की दूसरी बातचीत है और दोनों ही बार यूक्रेन के मुद्दे पर दोनों के बीच चर्चा हुई। बता दें कि हाल ही में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की की बातचीत के दौरान उनके साथ थे।

ध्यान देने वाली बात यह भी है कि टैरिफ के मुद्दे पर भारत और अमेरिका के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सधा हुआ बयान दिया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपनी अच्छी दोस्ती होने के साथ ही भारत को अमेरिका का अहम कूटनीतिक मित्र देश बताया था।

हालांकि ट्रंप ने यह भी कहा था कि हाल के दिनों में पता नहीं पीएम मोदी क्यों टैरिफ के मुद्दे पर अलग रुख अपना रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में अवॉर्ड प्राप्त करने वाले राज्य के शिक्षकों को आजीवन एसटी की बस सेवाओं की निःशुल्क यात्रा का दिया उपहार

राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठ शिक्षक का अवॉर्ड प्राप्त करने वाले शिक्षकों को राज्य सरकार की महत्वपूर्ण भेंट

मुख्यमंत्री का श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार विजेताओं को गुजरात एसटी निगम की सभी प्रकार की बसों में राज्य में तथा राज्य से बाहर आजीवन निःशुल्क यात्रा का लाभ देने का निर्णय

गांधीनगर, 06 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में अवॉर्ड प्राप्त करने वाले राज्य के शिक्षकों को एक महत्वपूर्ण भेंट देने वाला निर्णय किया है।

इस निर्णय के अनुसार राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठ शिक्षक का अवॉर्ड प्राप्त करने वाले शिक्षक गुजरात राज्य सड़क परिवहन

(एसटी) निगम की सभी प्रकार की बस सेवाओं में राज्यभर में तथा राज्य से बाहर जहाँ तक सेवाएँ संचालित हैं, वहाँ तक आजीवन निःशुल्क यात्रा कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने उनके समक्ष गुजरात राज्य अवॉर्डी टीचर फेडरेशन द्वारा की गई प्रस्तुतियों पर संवेदनापूर्ण तथा सकारात्मक प्रतिभाव देते हुए यह महत्वपूर्ण निर्णय किया है।

अवॉर्डी शिक्षकों को आजीवन निःशुल्क यात्रा के इस निर्णय का लाभ राज्य के अब तक के लगभग 957 राज्य तथा राष्ट्रीय अवॉर्ड विजेता शिक्षकों को मिलेगा। इसके अलावा भविष्य में ऐसे श्रेष्ठ शिक्षक के राज्य-राष्ट्रीय अवॉर्ड प्राप्त करने वाले शिक्षकों को भी यह लाभ मिलेगा।

पूरे देश में एसआईआर लागू कराने की तैयारी, चुनाव आयोग ने दिल्ली में 10 सितंबर को बुलाई अहम बैठक

(जीएनएस)।

देशभर में मतदाता सूची के स्पेशल रिवीजन (SIR) मुद्दे पर सरकार और विपक्षी दलों के बीच तीखी तकरार जारी है। इन सबके बीच केंद्रीय चुनाव आयोग पूरे देश में वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया लागू करने की योजना पर काम कर रहा है। इसके लिए 10 सितंबर को दिल्ली में एक अहम बैठक बुलाई गई है। बताया जा रहा है कि अगले साल होने वाले बंगाल और केरल जैसे राज्यों में चुनाव को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। चुनाव आयोग का उद्देश्य एरर फ्री वोटर लिस्ट तैयार करना है।

ECI की दिल्ली में सभी राज्यों के मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ बैठक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 10 सितंबर को दिल्ली के द्वारका में इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में देश भर के चीफ इलेक्शन ऑफिसर की बैठक

होने वाली है। इस एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस में लगभग पूरे दिन स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के मुद्दे पर चर्चा की जाएगी।

SIR पूरे देश में लागू करने पर किया जाएगा विचार

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, चुनाव आयोग पूरे देश में वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया लागू कराने पर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर संतोष कुमार आधे घंटे तक रक्फ़ की पॉलिसी को लेकर एक प्रेजेंटेशन देंगे। बिहार में वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया को लेकर काफी बवाल मचा हुआ है। बिहार के ही मुख्य चुनाव अधिकारी रक्फ़ कराने की प्रक्रिया लागू करने संबंधी एक प्रेजेंटेशन देंगे। इसके बाद सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारी अपने राज्य में इसे लागू करने की प्रक्रिया से लेकर उसमें आने वाली मुश्किलों समेत दूसरे मुद्दों पर इनपुट शेयर करेंगे। इन सबके साथ ही एक सेशन आखिरी में सवाल-जवाब के लिए भी रखा जाएगा।

बिहार में मतदाता सूची का पुनरीक्षण का काम चल रहा है और वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया का विपक्षी दल जमकर विरोध कर रहे हैं।

किसानों को बड़ी राहत, अन्नदाता की मुस्कान ही राज्य की ताकत - सीएम डॉ. मोहन यादव

मध्य प्रदेश सरकार, मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में, हाल की भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों का समर्थन करने के लिए 20 करोड़ रुपये वितरित किए हैं। सरकार

चुनौतीपूर्ण समय में किसानों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मध्यप्रदेश की सरकार हर संकट में किसानों के साथ खड़ी है। इस स्पष्ट संदेश के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 6 सितंबर को अतिवृष्टि-बाढ़ से क्षतिग्रस्त फसलों के लिए राहत राशि का वितरण किया।

'मैं तेरे ऊपर एक्शन लूंगा', आईपीएस अंजना कृष्णा को फोन पर धमकाने वाले अजित पवार ने अब दी सफाई

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा के बीच फोन पर हुई गरमागरम बहस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस घटना ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी और डिप्टी सीएम विपक्ष के निशाने पर आ चुके हैं। लेडी आईपीएस अधिकारी की फोन पर बुरी तरह फटकार लगाते हुए धमकाने के बाद अब अजित पवार ने अपनी सफाई पेश की है।

दरअसल, ये मामला सोलापुर में अवैध मुरम उत्खनन के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को रोकने के प्रयास से जुड़ा है। आईपीएस अंजना कृष्णा जब ये कार्रवाई करने पहुंची तो एनसीपी नेताओं ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार को फोन मिला दिया और डिप्टी सीएम ने फोन पर कार्रवाई रोकने का आदेश दिया, जिस पर आईपीएस अधिकारी और डिप्टी सीएम के बीच गरमागरम बहस हुई और अधिकारी ने उन्हें पहचानने से इनकार कर दिया, इस पर अजित पवार ने गुस्से में आकर आईपीएस अंजना को धमकी तक दे डाली। जिसका वीडियो वायरल हुआ तो अब डिप्टी सीएम ने अजित पवार ने सफाई दी है।

अजित पवार ने सोशल मीडिया

प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा, "सोलापुर में पुलिस अधिकारियों के साथ मेरी बातचीत से संबंधित कुछ वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, जिनका मुझे संज्ञान है। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मेरा उद्देश्य कानूनी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना नहीं था, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि स्थिति शांत बनी रहे और आगे न बढ़े।"

अजित पवार ने आगे कहा, "मुझे हमारी पुलिस बल और उसके अधिकारियों, विशेष रूप से उन महिला अधिकारियों के प्रति अत्यधिक सम्मान है जो साहस और उत्कृष्टता के साथ सेवा करती हैं। मेरे लिए कानून का शासन सर्वोपरि है। मैं पारदर्शी शासन के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हूं और यह सुनिश्चित करने के लिए भी कि रेत खनन समेत हर अवैध गतिविधि का कानून के अनुसार सख्ती से निपटारा किया जाए।

वायरल वीडियो में अजित पवार सोलापुर के करमाला की उप-मंडलीय पुलिस अधिकारी अंजना कृष्णा से बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं। शुरूआत में, आईपीएस अंजना कृष्णा अजित पवार की आवाज नहीं पहचान पातीं। इसके बाद, पवार एक एनसीपी कार्यकर्ता के फोन से उन्हें कॉल करते हैं और उनसे कड़े शब्दों में मुरम मिट्टी के अवैध उत्खनन के खिलाफ कार्रवाई रोकने के लिए कहते हैं। मुरम का उपयोग सड़क निर्माण और भराव सामग्री के रूप में व्यापक रूप से होता है।

सुनो, मैं डिप्टी चीफ मिनिस्टर बोल रहा हूं..

केरल के तिरुवनंतपुरम की रहने वाली कृष्णा वीडियो में कहती सुनी जा सकती हैं कि वह यह नहीं समझ पाईं कि उनसे उपमुख्यमंत्री बात कर रहे थे। इसके बाद पवार पूछते हैं मेरा चेहरा देखोगी तब तो पहचान जाओगी । 31 अगस्त के इस वीडियो में अजित पवार अधिकारी से कहते हैं, "सुनो, मैं डिप्टी चीफ मिनिस्टर बोल रहा हूं और आपको आदेश देता हूं कि वो रुकवाओ।"

मैं तेरे ऊपर एक्शन लूंगा...

इसके बाद अजित पवार गुस्से से कहते हैं, "एक मिनट मैं तेरे ऊपर एक्शन लूंगा।" अधिकारी के नहीं पहचानने पर वह कहते हैं, "तुझे मुझे देखना है न, तेरा नंबर दे दो या व्हाट्सएप कॉल करो। मेरा चेहरा तो आपको समझ आएगा न।"

इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए, शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अजित पवार पर निशाना साधा।

धामी सरकार के चार साल कार्यकाल में 25 हजार सरकारी नौकरियां, इस योजना से विदेश में भी रोजगार

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में चार साल में 25 हजार युवाओं का चयन सरकारी सेवा में हुआ है। धामी सरकार के कार्यकाल के दौरान युवाओं का सरकारी नौकरी में रिकॉर्ड 25 हजार का चयन होना एक कीर्तिमान बन गया है। इतना ही नहीं राज्य सरकार की पहल पर मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना से विदेश में भी रोजगार दिया जा रहा है।

धामी सरकार ने साल 9 नवंबर 2022 से मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना शुरू की है, इसके लिए युवाओं को आतिथ्य, नर्सिंग, ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करते हुए जर्मनी और जापान में रोजगार प्रदान किया जा रहा है। योजना के तहत अब तक 154 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा

चुका है, जिसमें से 37 को जापान में रोजगार प्रदान किया जा चुका है।

सीएम धामी ने 4 जुलाई 2021 को कार्यभार ग्रहण किया। धामी सरकार ने युवाओं को रोजगार और स्किल प्रदान करने पर विशेष तौर पर फोकस किया। इस दौरान लोक सेवा आयोग, उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, चिकित्सा सेवा चयन आयोग के जरिए 25 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में स्थायी रोजगार प्रदान किया जा चुका है।

उत्तराखंड लोकसेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड के स्तर पर अभी कई विभागों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। कुछ मामलों में जल्द ही अंतिम चयन संस्तुति की जाने वाली है, इस कारण कुल स्थायी नौकरियों का यह आंकड़ा अभी और बढ़ने वाला है।

धामी सरकार ने 2024 में सख्त नकल विरोध कानून लागू करते हुए, नकल माफिया की कमर तोड़ने का काम किया है। इसके बाद से एक भी परीक्षा में पेपरलीक नहीं हुआ है, यही नहीं धामी सरकार पेपर लीक में शामिल 100 से अधिक माफिया का जेल भी भेज चुकी है।

उत्तरकाशी में फिर यहां बादल फटा, बरसाती नाले उफान पर, घरों में घुसा मलबा और पानी, कई गाड़ियां दबीं

(जीएनएस)।

उत्तरकाशी जिले में एक बार फिर बादल फटने की जानकारी सामने आ रही है। नौगांव बाजार के स्योरी फल पट्टी में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। नौगांव क्षेत्र में अतिवृष्टि के कारण नौगांव खड्ड, देवलसारी खड्ड एवं मुराडी खड्ड का जलस्तर बढ़ने से कई स्थानों पर मलबा व पानी घरों में घुस गया।

जिसके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। वीडियो में घरों के अंदर पानी और मलबा आता हुआ दिख रहा है। इसके साथ ही कई जगह बरसाती नाले भी उफान पर आ गए हैं। कई वाहन भी मलबे में दबे हुए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थान पर रेस्क्यू किया जा रहा है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी प्रशासन को अलर्ट रहने और रेस्क्यू कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। देवलसारी गदेरे में कुछ दुपहिया वाहनों के बहने की भी सूचना है। एक कार भी मलबे में दब गई है। खतरे को

देखते हुए कई लोगों ने अपने घर खाली कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं।

उत्तरकाशी जनपद के नौगांव बाजार के स्योरी फल पट्टी में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। एक आवासीय भवन गदेरे के मलबे में दब गया। आधा दर्जन से भी अधिक भवनों में पानी भर गया है। देवलसारी गदेरे में एक मिक्सर मशीन और कुछ दुपहिया वाहनों के बहने की भी सूचना है। एक कार भी मलबे में दब गई है। खतरे को देखते हुए कई लोगों ने अपने घर खाली कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं।

सीएम धामी ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि उत्तरकाशी के नौगांव क्षेत्र में अतिवृष्टि से नुकसान की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी से तत्काल वार्ता कर राहत एवं बचाव कार्यों को युद्धस्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन, एसडीआरएफ व एनडीआरएफ के दल प्रभावित क्षेत्र के लिए रवाना हो चुके हैं।

प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर तुरंत पहुंचाने तथा हर संभव मदद में किसी भी प्रकार की देरी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए भी स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है। ईश्वर से सभी के सकुशल होने की प्रार्थना करता हूँ।

एसडीआरएफ से मिली जानकारी के अनुसार उत्तरकाशी के अंतर्गत नौगांव क्षेत्र में अतिवृष्टि के कारण नौगांव खड्ड, देवलसारी खड्ड एवं मुराडी खड्ड का जलस्तर बढ़ने से कई स्थानों पर मलवा व पानी घरों में घुस गया।

सम्पादकीय

ट्रंप की नाराजगी की कोई परवाह न करते हुए भारत यूएस के साथ संबंधों को और खराब होने से बचाना चाहेगा

टैरिफ को लेकर जहां भारत और अमेरिका के बीच तनाव जारी है, वहीं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत को महान देश तथा प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना मित्र बताना और इसके बाद प्राधानमंत्री मोदी का राष्ट्रपति ट्रंप को हार्दिक धन्यवाद का ज्ञापन करना या तो दोनों नेताओं की वूटनीति औपचारिकता मात्र है अथवा रिश्ते और खराब होने वाले हैं।

दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ने एक दिन पहले ही अमेरिका की मशहूर आईटी वंपनियों के मुख्य कार्यकर्तारियों की बैठक के दौरान यह माना था कि उन्होंने टैरिफ की वजह से भारत को खो दिया। किन्तु उसके बाद ओवेल आफिस में संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि "भारत और अमेरिका के संबंध बहुत विशेष हैं और मौजूदा तनाव के बावजूद मैं और मोदी हमेशा दोस्त रहेंगे। वह बेहतरीन प्राधानमंत्री है। वह ग्रोट हैं। लेकिन वह जो कर रहे हैं, मुझे वह पसंद नहीं है। लेकिन भारत और अमेरिका के संबंध बेहद विशेष हैं। इसे लेकर चिन्ता की कोई बात नहीं हैं क्योंकि दोनों देशों के बीच कभी कभार ऐसे पल आ ही जाते हैं।" सच तो यह है कि जिस सवाल के जवाब में राष्ट्रपति ट्रंप ने मोदी को मित्र बताया था वह यह था कि "क्या वह भारत के साथ फिर संबंध सुधारने के लिए तैयार हैं, क्योंकि टैरिफ की वजह से दोनों देशों के संबंध बीते दो दशकों से सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं?"

दोनों देशों की हकीकत यह है कि क्वाड सम्मेलन में भारत आने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप तैयार नहीं हैं और सितम्बर में ही संयुक्त राष्ट्र महासभा के सम्मेलन में जाने से प्राधानमंत्री मोदी ने किनारा कर लिया। इसके अलावा न तो ट्रंप की कोई विशेष भारत यात्रा होने वाली है और न तो मोदी की अमेरिका की यात्रा किसी विशेष उद्देश्य से होने की संभावना है। मतलब यह कि दोनों के बीच निकट भविष्य में किसी भी तरह की बैठक की फिलहाल कोई संभावना नहीं है। दूसरी तरफ दिसम्बर में राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का भारत आने का कार्यव्रम है तो मोदी के लगातार संपर्व रूस व चीन के नेताओं से बने हैं। मतलब यह कि क्या अमेरिका के पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन की यह भविष्यवाणी कि ट्रंप और मोदी की दोस्ती अब बीते दौर की बात हो गई है। सच तो यह है कि बोल्टन की भविष्यवाणी ही सही साबित होने वाली है। इसका मतलब यह है कि अब भारत और ट्रंप में आपसी विश्वास, भरोसा और एक-दूसरे से उम्मीदें खत्म हो चुकी हैं। ट्रंप को लगता है कि भारत उनसे मात्र इसलिए नाराज है क्योंकि उन्होंने 50 प्रातिशत टैरिफ लगा दिया। लेकिन यही सच नहीं है यानि बात मात्र टैरिफ और पेनाल्टी की नहीं है। बात उस भरोसे की है जो ट्रंप ने तोड़कर यह साबित कर दिया कि वह अपने आपको भारत से बने संबंधों से बहुत बड़ा समझने लगे हैं। ट्रंप ने भारत को स्पष्ट संकेत दिया कि उन्होंने तो भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह करने के लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल कर दिया अब नई दिल्ली को जो करना हो कर ले। ऐसे प्रावृत्ति के व्यक्तित्व वाले राष्ट्रपति से भारत कोई संबंध रखने का न तो इच्छुक होगा और न ही उसकी मित्रता से खुश होगा न ही नाराजगी की परवाह करेगा। भारत बड़ी ही सावधानी से अमेरिका के साथ संबंधों को और खराब होने से बचाना चाहेगा। लेकिन ट्रंप की नाराजगी की कोई परवाह नहीं करेगा। अमेरिका के प्राति भारत की सतर्वता का एक कारण यह भी है कि अब यूरोपीय देशों की भी अमेरिका से ठन गई है।

यूरोप के देशों ने अब अमेरिकी वंपनियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाकर स्पष्ट कर दिया है कि ट्रंप और अमेरिका उनके मालिक नहीं हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है अमेरिका की टेक वंपनी गूगल पर यूरोप की ओर से 2.9 बिलियन डालर यानि 29 हजार करोड़ डालर का जुमार्ना ठोंक दिया। जुमार्ना लगाए जाने पर ट्रंप का भड़कना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि वह अमेरिकी वंपनियों पर यूरोप के जुमार्ने नहीं सहेंगे।

हैरानी की बात तो यह है कि ट्रंप का अमेरिका का कर्ज लगातार बढ़ रहा है और आज की तारीख में वह 37 ट्रिलियन डालर पार कर चुका है जो देश की अर्थव्यवस्था का 125 प्रातिशत है। इस कर्ज के भुगतान को लेकर अमेरिका काफी दबाव में है।

चंद्र ग्रहण : दुनियाभर की अजीब मान्यताएं जिनपर यकीन करना मुश्किल, भारत से अमेरिका तक फैली हैं कहानियां

(जीएनएस)।

चंद्र ग्रहण को लेकर पूरी दुनिया में उत्सुकता रहती है। एक ओर वैज्ञानिक इसे पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा के बीच आने से बनी एक प्राकृतिक खगोलीय घटना मानते हैं, तो वहीं दूसरी ओर दुनिया की अलग-अलग संस्कृतियों और परंपराओं में इससे जुड़ी कई अजीबोगरीब मान्यताएं देखने को मिलती हैं।

साल का आखिरी चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 की रात को चंद्रमा कुंभ राशि में गोचर करते हुए पूर्ण चंद्र ग्रहण (ब्लड मून) से गुजरेगा। भारत ही नहीं, बल्कि एशिया, यूरोप, अमेरिका और अफ्रीकी देशों तक, हर जगह चंद्र ग्रहण को लेकर अलग-अलग विश्वास प्रचलित हैं। आइए जानते हैं कि दुनिया भर में लोग चंद्र ग्रहण को लेकर क्या सोचते हैं और किन परंपराओं का पालन करते हैं।

दुनियाभर में चंद्र ग्रहण से जुड़ी अजीब मान्यताएं

◯ भारतः राहु-केतु और सूतक काल की मान्यता

भारत में चंद्र ग्रहण को सबसे ज्यादा धार्मिक मान्यताओं से जोड़ा जाता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के मुताबिक राहु और केतु नामक ग्रहण दानव चंद्रमा को निगल जाते हैं, जिस कारण चंद्रमा ढक जाता है। इसी वजह से ग्रहण को एक अशुभ समय माना जाता है।

सूतक कालः ग्रहण से लगभग 9 घंटे पहले सूतक काल शुरू हो जाता है। इस दौरान पूजा-पाठ, भोजन और यात्रा जैसी गतिविधियों पर रोक मानी जाती है।

गर्भवती महिलाओं की सावधानीः माना जाता है कि इस दौरान बाहर निकलना या तेज धार वाली वस्तुओं का प्रयोग करना बच्चे पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

◯ चीनः ड्रैगन निगल जाता है चांद

प्राचीन चीनी सभ्यता में यह विश्वास था कि जब चंद्र ग्रहण होता है तो एक विशालकाय ड्रैगन चांद को निगल लेता है। लोग ढोल-नगाड़े बजाकर या शोर मचाकर ड्रैगन को भगाने की कोशिश करते थे। आज भी चीन के कुछ हिस्सों में यह परंपरा सांकेतिक रूप से निभाई जाती है।

◯ अमेरिका की प्राचीन जनजातियांः बीमारी और बुरी आत्माएं

अमेरिका की प्राचीन जनजातियों, विशेषकर नवाजो और इनुइट समुदाय, का मानना था कि चंद्र ग्रहण के समय चांद बीमार हो जाता है। उनका विश्वास था कि बुरी आत्माएं चंद्रमा पर हमला करती हैं और उसे अपनी छाया में ले लेती हैं। इसलिए लोग इस दौरान शांति से अपने घरों में रहते थे और कोई नया काम शुरू नहीं करते थे।

◯ अफ्रीकाः सूर्य-चंद्रमा की लड़ाई

अफ्रीका के कई देशों में एक अनोखी मान्यता है। यहाँ लोग मानते हैं कि चंद्र ग्रहण उस समय होता है जब सूर्य और चंद्रमा आपस में लड़ाई कर रहे होते हैं। इस लड़ाई को खत्म कराने के लिए समुदाय एकजुट होकर ढोल पीटते और गाने गाते थे, ताकि दोनों खगोलीय पिंडों में "सुलह" हो सके।

◯ जापानः दुर्भाग्य का संकेत

जापानी संस्कृति में चंद्र ग्रहण को दुर्भाग्य का प्रतीक माना जाता था। पुराने समय में लोग मानते थे कि यह प्राकृतिक आपदाओं, युद्धों या राजाओं के पतन का संकेत है। ग्रहण के समय गर्भवती महिलाओं को खास सावधानियाँ बरतने की सलाह दी जाती थी, ताकि बच्चे को कोई हानि न हो।

◯ दक्षिण अमेरिकाः खून से रंगा चांद

माया सभ्यता और इंका सभ्यता में चंद्र ग्रहण को लेकर विशेष मान्यता थी। उनका विश्वास था कि जब चांद लाल हो जाता है (ब्लड मून), तो यह इस बात का संकेत है कि आकाशीय देवता युद्ध में हैं और चंद्रमा घायल हो गया है। इसलिए लोग देवताओं को खुश करने के लिए बलि और अनुष्ठान करते थे।

◯ यूरोपः जादू-टोना और भविष्यवाणी

मध्यकालीन यूरोप में लोग चंद्र ग्रहण को जादू-टोना और भविष्यवाणी से जोड़कर देखते थे। माना जाता था कि ग्रहण के समय चुड़ैलें और तांत्रिक सक्रिय हो जाते हैं और अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हैं। कई जगह तो इसे राजाओं के पतन और युद्धों का संकेत भी माना गया।

वैज्ञानिक दृष्टिकोणः मिथक बनाम सच्चाई

आज विज्ञान ने साफ कर दिया है कि चंद्र ग्रहण महज एक खगोलीय घटना है, जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है और चंद्रमा पर पृथ्वी की छाया पड़ती है। यह न तो बीमारी लाता है, न बच्चे को नुकसान पहुंचाता है और न ही बुरी आत्माओं का असर होता है। फिर भी, सांस्कृतिक मान्यताएं आज भी कई जगह कायम हैं।

चंद्र ग्रहण को लेकर दुनिया भर की मान्यताएं यह दिखाती हैं कि इंसान हमेशा से आकाशीय घटनाओं को रहस्यमयी मानता आया है। चाहे भारत का राहु-केतु हो, चीन का ड्रैगन, या अफ्रीका का सूर्य-चंद्र युद्ध-हर जगह इस घटना को धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से जोड़ा गया।

नोवाक जोकोविच या कार्लोस अल्कारेज, किसके पास है दौलत का खजाना? दोनों की कमाई जानकर उड़ जाएंगे होश!

यूएस ओपन 2025 अपने अंतिम पड़ाव पर है। कार्लोस अल्कारेज दमदार अंदाज में फाइनल तक पहुंच चुके हैं और खिताब जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दूसरी ओर, दिग्गज नोवाक जोकोविच सेमीफाइनल में हारकर टूनार्मेंट से बाहर हो चुके हैं।

एक तरफ टेनिस के उभरते सितारे अल्कारेज हैं, जो हर मैच में आक्रामक अंदाज दिखा रहे हैं। दूसरी ओर, जोकोविच भले ही इस बार खिताब की रेस से बाहर हो गए हों, लेकिन उनकी लीजेंडरी पहचान और रिकॉर्ड्स को कोई चुनौती नहीं दे सकता।

कोर्ट पर दोनों का खेल अलग-अलग दौर की कहानी कहता है। लेकिन दिलचस्प यह है कि खेल से परे, दौलत (और ब्रांड वैल्यू के मामले में भी इन दोनों दिग्गजों की तुलना की जाती है। आइए जानते हैं आखिर किसके पास है पैसों का खजाना?

जोकोविच की दौलत का साम्राज्य

साल 2025 में नोवाक जोकोविच की नेटवर्थ करीब 250 मिलियन डॉलर (लगभग ₹2,080 करोड़) आंकी गई है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा उनकी रिकॉर्ड-तोड़ प्राइज मनी से आता है, जो अब तक $188 मिलियन से ज्यादा हो चुकी है। सिर्फ 2025 सीजन में ही उन्होंने $3.4 मिलियन कमाए हैं। इसके अलावा उनके ग्लोबल एंडोर्समेंट, बिजनेस इन्वेस्टमेंट और रियल एस्टेट ने भी उनकी कमाई को ऊंचाई पर पहुंचाया है।

अल्कारेज की बढ़ती कमाई

युवा स्टार कार्लोस अल्कारेज की नेटवर्थ 2025 तक करीब 40 से 45 मिलियन डॉलर (लगभग ₹334 करोड़) बताई जाती है। उनकी इनकम का बड़ा हिस्सा टेनिस टूनार्मेंट जीतने की प्राइज मनी और बड़े-बड़े ब्रांड एंडोर्समेंट से आता है। नाइकी, रोलेक्स और लुई विटॉन जैसे दिग्गज ब्रांड उनके साथ जुड़े हुए हैं।

कौन आगे, कौन पीछे?

कोर्ट पर भले ही कार्लोस अल्कारेज जोकोविच को चुनौती देते नजर आते हों, लेकिन नेटवर्थ की जंग में जोकोविच का दबदबा फिलहाल कायम है। अल्कारेज की रफ्तार तेज है, मगर जोकोविच की दौलत का साम्राज्य अभी भी उनसे काफी आगे खड़ा है।

कपूर फैमिली के इस सुपरस्टार ने पूछी थी चर्चित पॉलिटिशियन की कास्ट, जवाब जानकर नहीं की फिर कभी बात!

बॉलीवुड की चर्चित कपूर फैमिली में जाति और धर्म की दीवारें नहीं रही हैं। इस परिवार में अंतजार्तीय ही नहीं दूसरे धर्म में भी शादी हुई है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि इंडस्ट्री पूरी तरह से जातिवाद की जड़ों से मुक्त है। दरअसल एक किस्सा बहुत चर्चित है

कि इस फैमिली के ही एक सुपरस्टार ने स्कूल में अपने जूनियर की जाति पूछी थी। बाद में वह जूनियर भारतीय राजनीति की चर्चित हस्तियों में से एक बने। यह किस्सा ऋषि कपूर और शशि थरूर के बीच का है।

शशि थरूर ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह मुंबई में जिस स्कूल में पढ़ते थे उसी में ऋषि कपूर उनके सीनियर थे।

थरूर ने बताया कि उस वक्त वह शायद 11 साल के ही थे जब एक रोज स्कूल के बाथरूम में ऋषि कपूर ने उनसे जाति पूछी थी और थरूर हैरान रह गए थे। उन्होंने कहा कि उस वक्त तक मुझे अपनी जाति के बारे में पता ही नहीं था।

शशि थरूर ने अपने इंटरव्यू में कहा था कि जातिवाद की जड़ें हमारे समाज में कहीं गहराई तक मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'जब स्कूल के बाथरूम में ऋषि कपूर ने मुझसे जाति पूछी, तो मैं हैरान रह गया था। मेरे पिता ने घर में तब तक कभी हमारी जाति के बारे में बात ही नहीं की थी। मैं इसका जवाब नहीं दे सका और मैंने कहा कि मुझे नहीं पता। इस पर चिंटू (ऋषि कपूर) ने कहा कि हैरानी की बात है, तुम्हें अपनी जाति नहीं पता है।' शशि थरूर ने बताया कि इस घटना के बाद दोनों ने स्कूल में कभी बात नहीं की।

हालांकि, शशि थरूर ने बताया कि इस घटना का उनके मन पर असर पड़ा और उन्होंने घर जाकर अपने पिता से बात की थी। उनके पिता एक अंग्रेजी अखबार में बड़े पद पर थे और उन्होंने बताया कि उनका परिवार नायर कम्युनिटी से आता है।

ऋषि कपूर ने स्कूल की दुनिया से निकलकर जहां सिनेमाई पर्दे पर अपनी पहचान बनाई, तो शशि थरूर ने पहले बतौर डिप्लोमेट और फिर राजनीति में बड़ा मुकाम बनाया।

वायरल हुआ रानी चटर्जी का ऐसा वीडियो, भोजपुरी क्वीन का दिखा नया अंदाज

(जीएनएस)।

भोजपुरी इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस रानी चटर्जी इन दिनों अपनी अपकमिंग कॉमेडी फिल्म 'चुगलखोर बहुरिया' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। फैंस बेसब्री से फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

रानी चटर्जी ने शेयर किया मजेदार वीडियो

हाल ही में रानी चटर्जी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह डबिंग स्टूडियो में काम करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो ने उनके फैंस के बीच नए प्रोजेक्ट्स को लेकर कयासों का बाजार गर्म कर दिया है।

रानी चटर्जी ने छोड़ा फैंस के लिए सस्पेंस

-रानी चटर्जी ने अपने इंस्टाग्राम पर डबिंग करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने केवल डबिंग शब्द लिखा है। उन्होंने ये नहीं बताया है कि वो किस फिल्म के लिए डबिंग कर रही हैं। इस सस्पेंस ने फैंस को अटकलें लगाने पर मजबूर कर दिया है।

-कई लोगों का मानना है कि ये वीडियो उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'चुगलखोर बहुरिया' या फिर 'इमरती दीदी' से जुड़ा हो सकता है। वीडियो

में रानी चटर्जी का लुक बेहद सिंपल और स्टाइलिश नजर आ रहा है। उन्होंने कैजुअल आउटफिट के साथ मिनिमल मेकअप और हल्के कर्ल वाले बाल बनाए हैं।

रानी चटर्जी की अपकमिंग फिल्म 'चुगलखोर बहुरिया'

-'चुगलखोर बहुरिया' एक हल्की-फुल्की कॉमेडी फिल्म होने की उम्मीद की जा रही है। फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में इसका पहला पोस्टर जारी किया था, जिसमें रानी चटर्जी और अन्य कलाकारों की मस्ती भरी झलक देखने को मिली थी। ये फिल्म अंशुमन सिंह फिल्म क्रिएशन और मैड मूवीज बैनर तले निर्मित हो रही है।

-इसके निमार्ता अंशुमन सिंह, विनय सिंह और मधु शर्मा हैं। निर्देशक के तौर पर इश्तियाक शेख बंटी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। फिल्म के संगीत साजन मिश्रा ने तैयार किए हैं जबकि कहानी सुरेंद्र मिश्रा और विवेक मिश्रा द्वारा लिखी गई है। फैंस इस फिल्म में रानी चटर्जी के नए अवतार को देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

रानी चटर्जी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

-इससे पहले रानी चटर्जी की फिल्म 'सास-बहू चली स्वर्ग लोक' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर बी4यू चैनल पर हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इसके अलावा, वह जल्द ही फिल्म 'परिणय सूत्र' में भी नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग फिलहाल चल रही है।

-इसके अलावा रानी चटर्जी की एक और फिल्म 'अम्मा' जल्द ही टीवी पर रिलीज होने वाली है। उनके पास कई अन्य प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी रिलीज का इंतजार चल रहा है।

-रानी चटर्जी की कॉमिक टाइमिंग और दमदार एक्टिंग ने उन्हें भोजपुरी इंडस्ट्री की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक बना दिया है। उनकी आने वाली फिल्मों से फैंस की

रणबीर कपूर-कैटरीना कैफ की 'ऐसी' फोटो हुई वायरल, मानव मंगलानी ने सामने रखा ऐसा सच

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर और एक्ट्रेस कैटरीना कैफ की इबिजा की वायरल तस्वीरें साल 2013 में बॉलीवुड में सनसनी बन गई थीं। इन तस्वीरों ने प्राइवेसी और मीडिया की दखलंदाजी के बारे में सवाल खड़े कर दिए थे।

रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ की फोटोज हुईं वायरल

सोशल मीडिया पर वायरल हुईं इन तस्वीरों में रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ बीच पर आराम करते दिख रहे थे। फोटोज में कैटरीना कैफ बिकिनी में और रणबीर कपूर स्विम शॉर्ट्स में नजर आ रहे थे।

वायरल तस्वीरों ने खड़े किए कई सवाल

हालांकि उस समय रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया था, लेकिन इन तस्वीरों ने इस बारे में कई सवाल खड़े कर दिए थे। फिलहाल पैपराजी मानव मंगलानी ने खुलासा किया है कि ये तस्वीरें टूरिस्ट या पैपराजी की ली हुई नहीं थीं।

पैपराजी मानव मंगलानी का चौंकाने वाला खुलासा

-पैपराजी मानव मंगलानी ने कहा है कि ये तस्वीरें रणबीर कपूर या फिर कैटरीना कैफ के किसी करीबी व्यक्ति ने मीडिया को लीक की थीं। मानव मंगलानी हाल ही में कुनिका सदानंद के पॉडकास्ट में शामिल हुए थे और उन्होंने कई बॉलीवुड प्रेम-संबंधों की खबरें सामने लाने की बात याद की।

-मानव मंगलानी ने कहा कि सेलिब्रिटी के अनुरोध के बावजूद भी वह तस्वीरें डिलीट नहीं करते, क्योंकि तस्वीरें एक न एक दिन सामने आ ही जाती हैं। उन्होंने कहा- ऐसे मामलों में थोड़ा चालाकी से काम लेना पड़ता है।

-पैपराजी मानव मंगलानी ने बताया कि उन्होंने आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे की तस्वीरें तब क्लिक की थीं, जब वह एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। उन्होंने ये भी कहा कि जब विक्की कौशल और कैटरीना कैफ दिवाली पार्टी से बाहर निकल रहे थे, तो वह ऐसे पहले फोटोग्राफर थे जिन्होंने उनकी एक साथ तस्वीरें क्लिक की थीं।

'घर में बंद रहकर अफेयर कोई नहीं करता'

-मानव मंगलानी ने कहा- आज नहीं तो कल तस्वीरें बाहर आ ही जाएंगी, क्या वह घर में बंद रहकर अफेयर करने वाले हैं? ये कोई एक रात का अफेयर तो नहीं है। लेकिन ये तस्वीरें ही सबसे ज्यादा वायरल होती हैं। पिछली बार रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ की बीच पर तस्वीरें लीक हुई थीं। वह बहुत पुरानी बात है।

-कुनिका सदानंद ने पूछा- ये वो तस्वीरें लीक हुई थीं? इस पर मानव ने जवाब दिया- हां वह उनके किसी करीबी ने लीक की थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि तस्वीरें किसने लीक की। उन्होंने ये भी कहा कि उसके बाद ऐसा कोई लीक नहीं हुआ।

-जानकारी के अनुसार रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ की तस्वीरें तुरंत वायरल हो गई थीं, जिससे सोशल मीडिया पर टैब्लॉइड की हेडलाइन और फैंस के बीच चर्चा का माहौल बन गया था।

-जहां कुछ लोगों ने इस कपल की केमिस्ट्री की तारीफ की थी और उन्हें एक साथ देखकर खुश हुए थे, वहीं कुछ लोगों ने उनकी प्राइवेसी का खुला उल्लंघन होने पर आलोचना भी की थी। इस आलोचना के बाद दोनों कलाकारों ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

-कैटरीना कैफ ने एक ओपेन लेटर लिखकर अपनी निराशा व्यक्त की थी।

पोहा या उपमा, तेजी से वजन कम करने के लिए कौन सा नाश्ता चुनें?

(जीएनएस)।

भारत में नाश्ते, लंच और डिनर में तरह-तरह के डिशेज बनाए जाते हैं, लेकिन सुबह के नाश्ते में पोहा और उपमा लगभग हर घर में बनते हैं। इसे बनाना जितना आसान है, इसके फायदे उससे कहीं अधिक हैं। ये दोनों पेट को लंबे समय तक भरा रखते हैं, जिससे ओवरईटिंग से बचा जा सकता है।

लेकिन वजन घटाने के मामले में लोग अक्सर सोचते हैं कि इनमें से कौन सा ऑप्शन ज्यादा फायदेमंद रहेगा। वेट लॉस डाइट में ऐसे फूड्स शामिल करने की सलाह दी जाती है जिनमें कैलोरी कम और फाइबर, पोषक तत्व अधिक हों। इसलिए यह जानना जरूरी है कि पोहा और उपमा में कैलोरी कितनी है, इन्हें कब खाना चाहिए और ये शरीर पर किस तरह असर डालते हैं।

पोहा खाने के लाभ

पोहा, यानी चिउड़े, थोड़ा तेल, राई, करी पत्ते, प्याज और मूंगफली के साथ पकाए जाते हैं। यह हल्का, आसानी से पचने वाला और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराता है। इसकी स्वाद में हल्कापन

और जल्दी बनने की खासियत इसे सभी के लिए पसंदीदा बनाती है। पोहा में मूंगफली होने के कारण आयरन की मात्रा भी अच्छी होती है।

उपमा खाने के लाभ

उपमा सूजी (सेमोलिना) से बनाया जाता है, जिसे पहले सूखा भूनकर सब्जियों, करी पत्ते, राई और थोड़े तेल के साथ पकाया जाता है। यह नरम, स्वादिष्ट और पेट भरने वाला होता है। उपमा में डाली गई सब्जियों के कारण प्रोटीन और फाइबर की मात्रा भी बढ़ जाती है, जो वजन घटाने में सहायक हो सकती है।

पोहा और उपमा के कैलोरी और पोषण की तुलना

पोहाः लगभग 150 ग्राम पोहा में 180-200 कैलोरी होती हैं। इसमें काबोर्हाइड्रेट थोड़े कम और आयरन थोड़ी ज्यादा मात्रा में होता है।

उपमाः एक सर्विंग उपमा में लगभग 220-250 कैलोरी होती हैं। इसमें वसा की मात्रा पोषण और तेल/घी के उपयोग पर निर्भर करती है।

वजन घटाने के लिए कौन बेहतर है?

अगर आप कैलोरी गिन रहे हैं, तो पोहा हल्के होने के कारण थोड़ा बेहतर विकल्प हो सकता है। लेकिन ध्यान दें कि पोहा या उपमा में सब्जियों की मात्रा बढ़ाकर फाइबर बढ़ाया जा सकता है, जिससे लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है।

कुछ आसान टिप्स

- ज्यादा फाइबर पाने के लिए दोनों में सब्जियाँ डालें।
- तेल की मात्रा कम करें या जैतून का तेल इस्तेमाल करें।
- पोहा में मूंगफली या उपमा में घी कम डालें।
- प्रोटीन बढ़ाने के लिए अंकुरित दालें या उबली हुई दालें डालें।
- धीरे-धीरे और ध्यान से खाएं, ताकि ओवरईटिंग से बचा जा सके।

वेटलॉस के लिए क्या खाएं?

पोहा और उपमा दोनों ही स्वास्थ्यवर्धक भारतीय नाश्ते हैं और सही तरीके से तैयार किए जाएं तो वजन घटाने में मदद कर सकते हैं।

भारत और चीन के एशिया कप हॉकी मैच में कौन जीता? किसे मिली फाइनल में एंट्री

(जीएनएस)।

हॉकी एशिया कप में सुपर चार के मैच में भारत ने चीन के खिलाफ धमाकेदार अंदाज में प्रदर्शन किया और शुरूआती चार मिनट में ही आक्रामक रुख अपना लिया, चीन को हराकर भारत ने फाइनल में जगह बना ली।

शिलानंद ने गोल करते हुए भारत का खाता खोल दिया। इस तरह भारत ने बढ़त प्राप्त कर ली, सातवें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, इंजेक्शन से गेंद हरमनप्रीत के पास गई लेकिन उनका शॉट थोड़ा कमजोर होने के बावजूद दिलप्रीत ने मौके का फायदा उठाया और चीनी प्लेयर्स चकमा देकर शॉट नेट में ठोककर भारत की लीड डबल कर डाली। इसके बाद पहले क्वार्टर में दोनों तरफ से कोई अन्य गोल देखने को नहीं मिला।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने 18वें

मिनट में एक गोल दाग दिया। पेनल्टी कॉर्नर से गोल हासिल हुआ। हरमनप्रीत का शॉट ब्लॉक हो जाता है और गेंद विवेक के पास पहुंचती है। विवेक का शॉट रोकने के बाद चीनी गोलकीपर उसे पूरी तरह क्लियर करने में नाकाम रहते हैं। गेंद गोल के बेहद करीब लूज पड़ी होती है, और मंदीप ने तेजी से भागकर पॉइंट रेंज से गोल दाग दिया। इससे भारत की लीड 3-0 तक चली गई। हाफ टाइम तक यही स्कोर रहता है।

पहले हाफ के बाद भारतीय टीम ने फिर से धमाका किया और चीन को दबाव में लाते हुए गोल दाग दिया। 37वें मिनट में भारत के लिए राजकुमार ने टैप करके गेंद को बॉक्स में डाल दिया। इसके बाद सुखजीत ने गोल दाग दिया, 39वें मिनट में भारत का यह पांचवां गोल था। 46वें और 50वें मिनट में अभिषेक ने बैक टू बैक गोल करते हुए चीन की कमर ही तोड़ डाली, इससे स्कोर 7-0 हो गया। इस स्कोरलाइन के साथ टीम इंडिया ने मैच जीतकर फाइनल में जगह बना ली, फाइनल मैच में भारत का सामना अब कोरिया से होना है।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

जीएसटी सुधार से मध्यमवर्ग को बड़ी राहत, अर्थव्यवस्था में आएगी नई ऊर्जाः केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 06 सितम्बर

वित्तीय मोर्चे पर एक बड़े कदम के तहत केंद्र सरकार ने गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) में व्यापक सुधार कर आम और खास, विशेषकर मध्यमवर्गीय परिवारों को बड़ी राहत दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिए गए इस फैसले से न केवल रोजमर्रा के खर्च कम होंगे बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

वैष्णव ने बताया कि पहले इनकम टैक्स में सुधार कर 12 लाख रुपये तक की आय पर छूट दी गई थी। अब GST दरों में कमी और सरलीकरण कर मध्यमवर्गीय परिवारों को बड़ा फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि रोटी, कपड़ा, मकान जैसी बुनियादी वस्तुओं से लेकर टीवी, रेफ्रिजरेटर, मोबाइल, पावर बैंक और सोलर पैनल जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों तक, लगभग हर घर में इस्तेमाल होने वाली चीजों पर टैक्स का बोझ घटा है।

उन्होंने कहा कि देश की ऋ्र्रुद्ध करीब 330 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें 202 लाख करोड़ का हिस्सा खपत का है। यदि GST राहत से खपत 10% भी बढ़ती है तो 20 लाख करोड़ की अतिरिक्त GDP उत्पन्न होगी। उत्पादन बढ़ने से रोजगार में वृद्धि होगी और निवेश को भी बल मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि मध्यमवर्गीय परिवारों के हाथ में बचत बढ़ेगी। यह बचत या तो सेविंग में जाएगी, या लोग अधिक सामान खरीदेंगे, या फिर निवेश करेंगे। इन तीनों गतिविधियों से अर्थव्यवस्था को नया बल मिलेगा और "पॉजिटिव साइकिल" शुरू होगी।

ग्रामीण और साधारण उपभोक्ताओं तक इस संदेश को पहुँचाने के लिए पार्टी व सरकार चौपालों, जनसभाओं और मीडिया के जरिए व्यापक अभियान चलाएँगी।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पर विशेष रूप से बात करते हुए वैष्णव ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में इस सेक्टर का उत्पादन 6 गुना और निर्यात 8 गुना बढ़ा है। आज 25 लाख लोग इसमें रोजगार पा रहे हैं और मोबाइल फोन से लेकर बैटरी और चिप तक का उत्पादन देश में हो रहा है। सेमीकंडक्टर और API (फार्मा) मैन्युफैक्चरिंग भी भारत में शुरू हो चुकी है।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी उद्योग संघों ने वादा किया है कि GST रियायतों का सीधा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचेगा। वित्त मंत्री ने भी स्पष्ट किया है कि यदि कंपनियां लाभ ट्रांसफर नहीं करेंगी तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वैष्णव ने कहा कि यह सुधार केवल टैक्स स्ट्रक्चर को सरल बनाने तक सीमित नहीं है बल्कि आत्मनिर्भर भारत और आर्थिक वृद्धि की दिशा में एक नया अध्याय है।

पर्यटन कूटनीति के अंतर्गत बड़ी पहल : अंतरराष्ट्रीय पर्यटन एक्सपो वियतनाम 2025 में आईआरसीटीसी ने बढ़ाया वैश्विक प्रभाव

नई दिल्ली, 06.09.2025:

भारत के प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 को "आसियान-भारत पर्यटन वर्ष" घोषित किया है और आसियान देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक, आर्थिक और पर्यटन संबंधों को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। यह महत्वपूर्ण घोषणा पर्यटन को लोगों के बीच आपसी जुड़ाव, साझा समृद्धि और भारत व आसियान देशों के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने का माध्यम मानती है।

इस नई पहल के तहत भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) को वियतनाम में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित इंटरनेशनल टूरिज्म एक्सपो (क्ळए) वियतनाम 2025 में भारत की भागीदारी आयोजित करने का दायित्व दिया गया है। यह आयोजन 4 से 6 सितंबर 2025 तक सैगॉन एक्ज़िबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (रएउउ), हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम में आयोजित किया गया जिसमें आईआरसीटीसी के डायरेक्टर राहुल हिमालयन और कई दूसरे प्रतिनिधियों में हिस्सा लिया। आईआरसीटीसी यहां एक विशेष आसियान-भारत पैवेलियन स्थापित किया, जिसमें भारत के विविध पर्यटन उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे झ जिनमें देश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आध्यात्मिक एवं वेलनेस पैकेज, प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियाँ और विश्वस्तरीय लक्जरी ट्रेनें शामिल हैं। इन ट्रेनों में महाराजा एक्सप्रेस, गोल्डन चैरीअट और बौद्ध सर्किट लक्जरी एसी ट्रेन आकर्षण के प्रमुख केंद्र रहे। साथ ही आसियान देशों के पर्यटन दृश्य और आकर्षण भी प्रदर्शित किया गया । हो ची मिन्ह सिटी में भारतीय वाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत श्री विप्र पांडेय ने इस पैवेलियन का उद्घाटन किया।

इस नए सहयोग और 2025 को आसियान-भारत पर्यटन वर्ष के रूप में मनाने की तैयारी के तहत, आईआरसीटीसी ने विदेश मंत्रालय के सहयोग से भारत और आसियान देशों के पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधियों को पाटा ट्रैवल मार्ट 2025 (बैंकॉक) में एकजुट किया। यह भारत-आसियान सांस्कृतिक और पर्यटन सहयोग के लिए एक नए युग की शुरूआत थी। बैंकॉक स्थित आसियान-भारत पैवेलियन का उद्घाटन थाईलैंड में भारत के राजदूत श्री नागेश सिंह ने किया। उनकी सक्रियता से इस पहल को और अधिक गति मिली। इसके अतिरिक्त, 28 अगस्त 2025 को थाईलैंड में एक रोड शो भी आयोजित किया गया, जिसमें पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया और यह कार्यक्रम कार्यक्रम सफल रहा।

आईटीई वियतनाम में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आईआरसीटीसी कर रहा है। इसमें भारत के प्रमुख पर्यटन जीएसए, राज्य पर्यटन बोर्ड के अधिकारी और आसियान देशों के प्रतिनिधि झ पर्यटन व्यापार और नीति निर्माण संस्थाएं झ शामिल हैं। यह सामूहिक भागीदारी प्रधानमंत्री की उस दृष्टि को मूर्त रूप देती है, जिसमें भारत और आसियान एक साथ विकास और पर्यटन सहयोग की दिशा में आगे बढ़ें।

आसियान-भारत पैवेलियन की स्थापना के अलावा आईआरसीटीसी को पूरे भारतीय प्रतिनिधिमंडल की लॉजिस्टिक्स व्यवस्था की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। साथ ही, आईआरसीटीसी हो ची मिन्ह सिटी में आसियान-भारत पर्यटन रोड शो का आयोजन कर रहा है, जिसमें भारत-आसियान पर्यटन उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गयी। इस दौरान स्थानीय ट्रैवल एजेंटों और टूर ऑपरेटरों से सीधा संवाद स्थापित कर नए कारोबारी साझेदारी के अवसर तलाश किए।

मुंबई लोकल ट्रेन के इस रूट पर रविवार को रहेगा जंबो ब्लॉक, चेक करें लेटेस्ट शेड्यूल

(जीएनएस)।

मुंबई में अगर आप लोकल ट्रेन का सफर करते हैं तो ऐसे यात्रियों के लिए अहम खबर सामने आई है। 7 सितंबर 2025 यानी रविवार को मुंबई लोकल ट्रेन के कुछ रूट पर मेगा ब्लॉक रहेगा। जिसके चलते संडे के दिन यात्रियों को असुविधा होने होगी।

ये जंबो ब्लॉक सांताक्रूज और गोरेगांव स्टेशनों के बीच घोषित किया गया है। चूंकि ये पांच घंटों का जंबो ब्लॉक होगा इससे यत्रियों को भारी मुश्किल का सामना करना पड़ सकता

इस ब्लॉक के दौरान, सभी तेज गति वाली ट्रेनें गोरेगांव और सांताक्रूज के बीच धीमी लाइनों पर चलाई जाएँगी। इस बदलाव से उन हजारों दैनिक यात्रियों का यात्रा समय बढ़ने की आशंका है, जो शहर भर में तेजी से आवागमन के लिए तेज ट्रेनों पर निर्भर रहते हैं।

साथ ही, कई उपनगरीय ट्रेनों को

रद्द किया जाएगा या उनकी यात्रा को छोटा कर दिया जाएगा। इससे दोपहर के समय भीड़ और असुविधा बढ़ सकती है। यह ब्लॉक 7 सितंबर, 2025 को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक, वढ और उ्हहठ दोनों फास्ट लाइनों पर लागू रहेगा।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस जंबो ब्लॉक का उद्देश्य महत्वपूर्ण ट्रैक, ओवरहेड इक्विपमेंट (OHE) और सिग्नलिंग का रखरखाव करना है। अधिकारियों ने बताया कि ये कार्य रेलवे नेटवर्क के सुचारु और सुरक्षित संचालन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे अंतिम समय की परेशानी से बचने के लिए अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें। रद्द की गई और छोटी की गई ट्रेनों की पूरी सूची वेस्टर्न रेलवे नेटवर्क के सभी स्टेशन मास्टर कार्यालयों में उपलब्ध करा दी गई है।

मुंबईकरों को इस रविवार अतिरिक्त धैर्य की आवश्यकता हो सकती है। हालांकि, अधिकारी आश्वासन देते हैं कि यह अल्पकालिक असुविधा शहर के सबसे व्यस्त रेल गलियारे को भविष्य के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

उत्तर भारत को जल्द मिलेगी बारिश से राहत, मौसम विभाग ने बता दिया कब लौट जायेगा मानसून ?

(जीएनएस)।

इस वक्त पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से लेकर सुदूर कोंकण तक भारी बारिश की वजह से मुश्किल हालात बने हुए हैं। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजधानी दिल्ली का निचला इलाका समेत देश का बड़ा हिस्सा भारी बारिश की वजह से बाढ़ से जूझ रहा है। हालांकि, आने वाले दिनों में लोगों को भारी बारिश से राहत मिल सकती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 6 सितंबर के बाद से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में बारिश की रफ्तार कम होने लगेगी। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान समेत उत्तर भारत के राज्यों में आने वाले सप्ताह में भारी बारिश से राहत मिलने लगेगी।

पंजाब, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली का एक हिस्सा इस वक्त बाढ़ की त्रासदी झेल रहा है। इन राज्यों के लिए बारिश का थमना राहत की खबर साबित हो सकती है। बरसात की वजह से नदियां उफान पर हैं और लोगों को अपना घर छोड़कर अस्थायी राहत कैंप में शरण लेनी पड़ रही है।

मौसम विभाग ने बताया कि इस बार मानसून की वापसी सामान्य से थोड़ी देरी से हो रही है। हालांकि, 7 से 10 सितंबर के बीच पश्चिमी उत्तर

प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर में अच्छी बारिश देखने को मिल सकती है। वहीं, पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश और भूस्खलन का अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद से बारिश की रफ्तार में कमी आने लगेगी और लोगों को राहत मिलेगी। अगले तीन दिन कोंकण क्षेत्र में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा, पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में भी आने वाले सप्ताह में हल्की से तेज बारिश का अलर्ट है।

इस बार देरी से क्यों लौट रहा है ?

इस बार मानसून के देरी से लौटने के पीछे मौसम वैज्ञानिकों ने कई कारण बताए हैं। IMD के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय मोहपात्रा ने पुष्टि की है कि 2025 में मानसून की वापसी 17 सितंबर के बाद से होगी और अक्टूबर के पहले सप्ताह तक यह पूरी तरह से लौट सकता है। मानसून के देरी से लौटने के पीछे कई कारण हैं:

- एक अध्ययन के अनुसार, पिछले 50 वर्षों में मानसून का समय लगभग प्रत्येक दशक में 1.6 दिनों की दर से बढ़ा है, जिसका सीधा असर मानसून की देर से वापसी पर पड़ा है। इसके पीछे जलवायु परिवर्तन का असर भी मुख्य कारक है।
- एल-नीनो प्रभावः प्रशांत महासागर में एल-नीनो की स्थिति मानसून की गतिविधियों को धीमा कर रही है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में असंतुलन बना है जिसकी वजह से नमी और हवाओं का असमान वितरण बारिश को प्रभावित कर रहा है।
- पश्चिमी विक्षोभ की कमीः उत्तरी भारत में मौसम बदलने वाले सिस्टम कम सक्रिय रहे। इसी वजह से इस बार जून-जुलाई से ज्यादा बारिश अगस्त में हुई और सितंबर में भी ज्यादा बारिश का अनुमान है।

वेस्टर्न रेलवे मजदूर संघ, साबरमती शाखा द्वारा सचिव श्री शिवशंकर बुंदेला को पदोन्नति पर विदाई एवं सम्मान समारोह

अहमदाबाद, वेस्टर्न रेलवे मजदूर संघ की साबरमती शाखा ने आज

अपने लोकप्रिय सचिव श्री शिवशंकर बुंदेला को पदोन्नति मिलने पर एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया। श्री बुंदेला को उनके सराहनीय कार्यों और समर्पण के लिए यह सम्मान दिया गया, जिन्होंने यूनियन नेता के रूप में अपनी सेवा के बाद अब एक अधिकारी का पदभार संभाला है। यह समारोह श्री बुंदेला की पदोन्नति के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है। उन्हें पर्यवेक्षक से अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। समारोह के दौरान, संघ के सदस्यों और पदाधिकारियों ने श्री बुंदेला के रेलवे में उनके लंबे और सफल सफर को याद किया। उन्होंने अपनी नौकरी की शुरूआत एक चार्जमैन के रूप में की थी और अपनी कड़ी मेहनत और नेतृत्व क्षमता से एक लोकप्रिय यूनियन नेता के रूप में अपनी पहचान स्थापित की। वेस्टर्न रेलवे मजदूर संघ, साबरमती शाखा के अध्यक्ष और पदाधिकारियों ने श्री बुंदेला को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

ओबीसी एसोसिएशन के प्रतिनिधि श्री भाविक पटनी / कार्यकारी अध्यक्ष / ऑल इंडिया ओबीसी रेलवे कर्मचारी एसोसिएशने इस अवसर को अत्यंत गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए सम्मान की बात है कि ओबीसी उम्मीदवार दिन-ब-दिन सभी क्षेत्रों में शीर्ष स्तर पर पहुँच रहे हैं। श्री बुंदेला की यह पदोन्नति न केवल उनके व्यक्तिगत समर्पण का प्रमाण है, बल्कि यह पूरे ओबीसी समुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह विदाई एवं सम्मान समारोह 6 सितंबर, 2025 को दोपहर 3:00 बजे, इंजीनियरिंग वर्कशॉप, साबरमती के सभागृह में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में यूनियन सदस्य और रेलवे कर्मचारी उपस्थित थे।- भाविक पटनी।

बिहार में मौसमः अगले तीन दिन भारी बारिश और ठनका, 20 जिलों में येलो अलर्ट, जनजीवन पर असर

(जीएनएस)।

बिहार में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य के लिए अगले तीन दिनों तक येलो अलर्ट जारी किया है। रविवार से मंगलवार तक उत्तर और पश्चिम बिहार के कई जिलों में भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

विभाग ने लोगों को सतर्क रहने, अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने और सुरक्षित स्थान पर शरण लेने की अपील की है। आज (रविवार) को पूरे बिहार में बारिश के आसार हैं। पश्चिम चंपारण, मुजफ्फरपुर, सारण, दरभंगा, मधुबनी समेत उत्तर बिहार के 12 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना। सभी 19 जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की आशंका है।

30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। सोमवार 8 सिंतबर को उत्तर बिहार और दक्षिण-पश्चिम बिहार के 25 जिलों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। अररिया और किशनगंज में भारी बारिश का विशेष अलर्ट है। इसके साथ ही सभी जिलों में सभी जिलों में ठनका गिरने की आशंका बरकरार रहेगी।

अलर्ट का असर - जनजीवन पर पड़ने वाला प्रभाव

शहरी इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन सकती है।

भारी बारिश के समय यातायात प्रभावित हो सकता है।

लोगों को घर से बाहर निकलने में दिक्कतें होंगी।

खेतों में काम करने वाले किसानों और खुले स्थान पर रहने वालों के लिए आकाशीय बिजली से खतरा।

इस मानसून सीजन में अब तक बिहार में बारिश सामान्य से काफी कम रही है।

सामान्य बारिशः 820.9 मिमी

अब तक दर्ज बारिशः 565.4 मिमी

घाटाः 31% कम बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से नमी युक्त हवाएं लगातार बिहार की ओर बढ़ रही हैं। साथ ही मानसून ट्रफ लाइन प्रदेश से होकर गुजर रही है और धीरे-धीरे सक्रिय हो रही है। इससे आने वाले दिनों में बारिश की तीव्रता और बढ़ने की संभावना है।

कुछ जिलों को ग्रीन जोन में रखा गया है, जहां मौसम सामान्य रहेगा। इनमें शामिल हैं - पटना, गया, नवादा, नालंदा, जहानाबाद, बेगूसराय, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, जमुई, बांका, शेखपुरा, सारण, गोपालगंज, सीवान, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण और लखीसराय।

क्या सच में चंद्र ग्रहण के दौरान खाना नहीं खाना चाहिए? धार्मिक मान्यता और वैज्ञानिक कारण

(जीएनएस)।

आकाश में जब चंद्रमा की चमक अचानक धुंधली पड़ जाती है और उसका स्वरूप लालिमा लिए "ब्लड मून" बन जाता है, तो यह दृश्य हर किसी को आकर्षित करता है। लेकिन हिंदू धर्म और ज्योतिषीय मान्यताओं में चंद्र ग्रहण (उँल्लरिं ऱ्र्रँल्ल 2025) केवल एक खगोलीय घटना नहीं, बल्कि आस्था और परंपराओं से गहराई से जुड़ा विषय है।

इस बार साल का दूसरा और अंतिम चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 की रात को लगेगा। यह ग्रहण रात 8:58 बजे शुरू होगा और 1:26 बजे तक चलेगा। भारत सहित एशिया, यूरोप, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के कुछ हिस्सों में इसे देखा जा सकेगा।

क्या है सूतक काल?

हिंदू धर्म में ग्रहण के दौरान लगभग 9 घंटे सूतक काल शुरू हो जाता है। चंद्र ग्रहण के लिए सूतक काल ग्रहण लगने से 9 घंटे पहले शुरू होता है। इस बार यह 7 सितंबर दोपहर 12:57 बजे से प्रारंभ होगा और 8 सितंबर सुबह 1:26 बजे तक चलेगा। मान्यता है कि इस अवधि में वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है। इसी कारण मंदिरों के कपाट बंद कर दिए जाते हैं और पूजा-पाठ वर्जित हो जाता है।

ग्रहण काल में भोजन क्यों मना है?

धार्मिक मान्यता के अनुसार, ग्रहण के दौरान भोजन अशुद्ध हो जाता है और उसे ग्रहण करना पाप माना गया है। स्कंद पुराण में उल्लेख है कि इस समय भोजन करने से पुण्य नष्ट हो जाता है। इसीलिए सूतक लगते ही भोजन में तुलसी पत्र या कुशा डालने की परंपरा है, ताकि वह नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षित रहे।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी यह सही माना गया है। ग्रहण के समय सूर्य की किरणें अवरुद्ध होने से वातावरण में बैक्टीरिया और सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि हो जाती है, जो भोजन को जल्दी दूषित कर सकते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, इस दौरान पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है, इसलिए गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भोजन और जल के सेवन से बचना चाहिए।

जल पीना क्यों मना है?

ग्रहण के दौरान जल में राहु-केतु की छाया का प्रभाव बताया गया है। माना जाता है कि इससे कफ दोष बढ़ता है और पाचन तंत्र पर नकारात्मक असर पड़ता है। शास्त्रों में ग्रहण काल के जल को दूषित माना गया है, इसलिए इसे पीने से पहले त्याग देना चाहिए।

वैज्ञानिक रूप से देखा जाए तो ग्रहण के समय वायुमंडल में सूक्ष्म कणों और जीवाणुओं की सक्रियता बढ़ जाती है, जो जल को अशुद्ध बना सकती है। इसी कारण ग्रहण समाप्ति के बाद नया जल भरकर ही उसका सेवन करना चाहिए।

चंद्र ग्रहण का यह खगोलीय और धार्मिक संगम न केवल अद्भुत दृश्य है, बल्कि यह हमें प्राचीन परंपराओं, स्वास्थ्य और विज्ञान के बीच गहरे संबंधों को भी समझाता है। इस ग्रहण के साथ पितृपक्ष की शुरूआत भी हो रही है, इसलिए इसे और भी खास माना जा रहा है

दिल्ली पावर कट अलर्ट! इन इलाकों में घंटों बिजली गुल, यहां जानें कब और क्यों हो रही कटौती

(जीएनएस)।

: दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लाखों उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खबर है। 7 सितंबर को राजधानी के कई हिस्सों में शेड्यूल्ड पावर कट होने वाला है। बिजली वितरण कंपनी ने आधिकारिक घोषणा की है कि यह कटौती पूरी तरह से मेंटेनेंस, मीटरिंग वर्क और नेटवर्क अपग्रेडेशन का हिस्सा होगी।

विभाग का कहना है कि इस असुविधा का उद्देश्य उपभोक्ताओं को भविष्य में बेहतर और स्थायी बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराना है। दिल्ली-ठउफ के किन इलाकों में पॉवर कट रहेगा इसकी पूरी लिस्ट नीचे देखें...

किन-किन इलाकों में रहेगा असर?

मोहान गार्डन

मोहान गार्डन क्षेत्र में दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। यहाँ ल्श्उ्र-मेंटेनेंस और ट्रांसफॉर्मर से जुड़ा कार्य किया जाएगा। प्रभावित इलाके हैं:

ब्लॉक ढ-2, मोहन गार्डन, राजापुर खुर्द

ब्लॉक ढ, मोहन गार्डन, राजापुर खुर्द

ब्लॉक ऊ भगवती गार्डन, नवादा

ब्लॉक ल़, भगवती गार्डन, नवादा

हौज खास

हौज खास क्षेत्र में सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक पावर कट रहेगा। इस दौरान 11ङश फीडर और केबल रूट की खुदाई का कार्य किया जाएगा। प्रभावित क्षेत्रः

गौतम नगर

मुंडका

मुंडका इलाके में सुबह 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक बिजली

आपूर्ति बंद रहेगी। यहां पर छळ सर्किट नेटवर्क अपग्रेडेशन का काम होगा। प्रभावित क्षेत्रः

ब्लॉक 2उ, नांगलोई एक्सटेंशन, नांगलोई

विकासपुरी और ओम विहार

बिजली विभाग ने बताया है कि विकासपुरी और ओम विहार क्षेत्र में भी आज मेंटेनेंस कार्यों की वजह से कुछ समय के लिए आपूर्ति बाधित रहेगी।

उपभोक्ताओं के लिए क्या है जरूरी सलाह?

बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे कटौती के दौरान अपने जरूरी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल, लैपटॉप, इनवर्टर आदि को पहले से चार्ज कर लें और वैकल्पिक व्यवस्था कर लें। विभाग ने आश्वासन दिया है कि यह असुविधा अस्थायी है, लेकिन अपग्रेडेशन और मरम्मत के बाद बिजली आपूर्ति पहले से अधिक स्थिर और बेहतर होगी।

विभाग का कहना है कि इन कार्यों के बाद अचानक होने वाली अनियोजित बिजली कटौती की घटनाओं में कमी आएगी और उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी।

शिकायत कहां करें?

यदि किसी इलाके में तय समय से ज्यादा देर तक बिजली आपूर्ति बाधित रहती है, तो उपभोक्ता विभाग की हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर सकते हैं या आधिकारिक वेबसाइट के जरिए अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के स्टेडियम में क्रिकेट मैच के दौरान कैसे हुआ धमाका? 1 की मौत, कई हुए घायल

(जीएनएस)।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक क्रिकेट मैच के दौरान हुए आईईडी धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह घटना खार तहसील के कौसर क्रिकेट ग्राउंड में हुई, जहाँ मैच चल रहा था। पुलिस ने इसे एक लक्षित हमला बताया है।

धमाके के बाद मैदान में अफरा-तफरी मच गई। घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जबकि सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें लोग जान बचाने के लिए भागते हुए दिख रहे हैं और पीछे से धुएं का गुबार उठता नजर आ रहा है।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने पुष्टि की है कि यह धमाका इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से किया गया था। अधिकारियों का मानना है कि यह घटना आतंकवादी हमले की ओर इशारा करती है।

जिला पुलिस अधिकारी वकास रफीक ने डॉन को बताया कि धमाका आईईडी से किया गया और यह किसी खास निशाने पर किया गया हमला लगता है। अभी तक किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हाल के दिनों में आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। सुरक्षा अधिकारियों का अनुमान है कि यह हमला कुछ हफ्ते पहले सुरक्षा बलों द्वारा शुरू किए गए आतंकवाद-रोधी अभियान 'ऑपरेशन सरबकाफ' का बदला हो सकता है।

पिछले हफ्ते भी, लोवी मामुंड तहसील के लाघारी इलाके में एक पुलिस स्टेशन पर क्वाडकॉप्टर से हमला किया गया था, जिसमें एक पुलिसकर्मी सहित दो लोग घायल हुए थे।

15 दिन तक रोज तीन घंटे', झूठी एफआईआर पर शख्स को मिली अनोखी सजा, अदालत ने दिया गजब का आदेश

(जीएनएस)।

जी एंटरटेनमेंट के टीवी सीरियल 'तुम से तुम तक' की कहानी अचानक अदालत तक पहुंच गई। एक व्यक्ति ने इस सीरियल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इस दौरान उसने बार-बार अपनी पहचान बदलकर कोर्ट को चकमा देने की कोशिश की। अदालत ने इस चौंकाने वाली हरकत को गंभीरता से लिया और शख्स को अनोखी सजा सुना दी।

मुंबई हाईकोर्ट ने आरोपी व्यक्ति को 15 दिन की सजा सुनाई। यह सजा सुनकर हर कोई हैरान रह गया। आइए जानते हैं क्या है ये पूरा मामला?

शिकायत पर जी एंटरटेनमेंट को मिला नोटिस

दरअसल, 'तुम से तुम तक' सीरियल कोंीी 5 पर 16 जून, 2025 को रिलीज किया जाना था। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि इसमें ऐसा कंटेंट था जो सार्वजनिक भावनाओं को आहत कर सकता है। महाराष्ट्र साइबर पुलिस को 12 जून को यह शिकायत मिली, जिसके आधार पर जी एंटरटेनमेंट को नोटिस जारी कर सीरियल की प्रसारण प्रक्रिया रोकने के निर्देश दिए गए।

4 जुलाई को जी एंटरटेनमेंट ने नोटिस को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। जब कंपनी ने शिकायतकर्ता सुनील महेंद्र शर्मा से उनके बताए पते पर संपर्क करने की कोशिश की, तो बिल्डिंग के सुरक्षा गार्ड ने कहा कि वहां ऐसा कोई व्यक्ति नहीं रहता।

8 जुलाई को न्यायाधीशों की डिवीजन बेंच ने संबंधित पुलिस अधिकारी को आदेश दिया कि शिकायतकर्ता को आधार कार्ड, वोटर पहचान पत्र और स्थायी पते का प्रमाण सहित कोर्ट में पेश किया जाए। पुलिस ने बताया कि शर्मा को एक अलग पते से ट्रेस किया गया था, जो 12 जून की शिकायत में नहीं दिया गया था। शर्मा को उसी दिन कोर्ट में पेश किया गया। पहचान दस्तावेजों की जांच में पाया गया कि वह सुनील महेंद्र शर्मा नहीं बल्कि महेंद्र संजय शर्मा है।

फर्जी नाम का खुलासा होने पर शिकायतकर्ता ने क्या कहा?

कोर्ट ने शिकायतकर्ता को कागज पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा, जिसे उसके दस्तावेजों पर मौजूद हस्ताक्षर से मिलाया गया। अदालत को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि हस्ताक्षर मेल नहीं खा रहे थे। शर्मा ने दावा किया कि उन्होंने बड़ी मीडिया हाउस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए अपनी सुरक्षा हेतु अलग पहचान बनाई थी।

कोर्ट ने खारिज किया शख्स का दावा

12 अगस्त को डिवीजन बेंच ने शर्मा के इस दावे को खारिज कर दिया और कहा कि यह शिकायत गलत इरादे से की गई थी। न्यायाधीशों ने जांच अधिकारी की लापरवाही पर भी नाराजगी जताई और कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वे शिकायतकर्ता के दस्तावेजों की पुष्टि करें।

अदालत ने कहा कि जांच अधिकारी (IO) ने पूरी सावधानी नहीं बरती और उनकी लापरवाही साफ दिखती है। अदालत ने यह भी बताया कि इस तरह की झूठी शिकायतें न्याय प्रणाली में रुकावट डालती हैं। इसलिए शर्मा को आदेश दिया गया कि वह 15 दिन तक जेजे हॉस्पिटल में सफाई और पोछा करने का काम करें।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 23 के अनुसार, सामुदायिक सेवा एक ऐसा दंड है जो समाज को लाभ पहुंचाता है। वहीं धारा 4(f) उन अपराधों की सूची देती है, जिनमें मानहानि शामिल है, और जिसके लिए ऐसा दंड दिया जा सकता है।

फिल्मी अंदाज में किडनैपिंग, कोच अगवा हुआ अटेंडेंट, पुलिस ने 5 को किया गिरफ़्तार, जानिए पूरा मामला

(जीएनएस)।

बिहार में अपराधियों के बुलंद हौसलों को पस्त करने के लिए पुलिस मुस्तैदी से काम कर रही है। ताजा मामला दानापुर रेलमंडल का है, जहां शुक्रवार को दिनदहाड़े अपराधियों ने फिल्मी अंदाज में ट्रेन अटेंडेंट का किडनैप कर सनसनी फैला दी।

पाटलिपुत्र एक्सप्रेस (18622) शहरी हॉल्ट और बाढ़ स्टेशन के बीच थी, तभी बदमाशों ने अचानक चेन पुलिंग कर ट्रेन रोकी और कोच बी-2 के अटेंडेंट राकेश कुमार को जबरन उतार लिया। इस दौरान यात्रियों को डराने के लिए फायरिंग भी की गई।

शराब तस्करों से जुड़ाव की आशंका

घटना की जानकारी मिलते ही बाढ़ और पटना रेल पुलिस के साथ फ्छ्ळकी टीम हरकत में आ गई और देर रात छापेमारी के दौरान राकेश कुमार को हाथीदह स्टेशन के पास सुरक्षित बरामद कर लिया गया। रेलवे सूत्रों के मुताबिक यह अपहरण किसी सामान्य वारदात का हिस्सा नहीं बल्कि पूरी प्लानिंग से किया गया।

आशंका है कि इसमें शराब तस्करों का हाथ है। दरअसल, कुछ समय पहले राकेश ने शराब तस्करी से जुड़ी एक अहम जानकारी रेल पुलिस को दी थी, जिसके बाद एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ था। पुलिस को शक है कि उसी का बदला लेने के लिए इस घटना को अंजाम दिया गया।

5 संदिग्ध हिरासत में, हथियार और शराब बरामद

घटना के बाद पुलिस ने बाढ़ इलाके में कई जगह छापेमारी की। इस दौरान 5 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उनके पास से हथियार और अवैध शराब भी बरामद की गई है। इनमें से तीन संदिग्धों से पूछताछ बाढ़ थाना में चल रही है, जबकि दो से रेल पुलिस पूछताछ कर रही है।

प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि अपहरणकर्ताओं ने शहरी हॉल्ट के पास ट्रेन को टारगेट कर अटेंडेंट को निशाना बनाया था। फिलहाल पुलिस शराब तस्करों से जुड़े इस पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है।

कौन है अमोल मिटकरी? अजित पवार से बहस लड़ाने वाली आईपीएस अंजना कृष्णा को लेकर उठाए थे सवाल, अब मांगी माफी

(जीएनएस)।

आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा से जुड़ा विवाद अब सुलझता दिख रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के एमएलसी अमोल मिटकरी ने अंजना कृष्णा के शैक्षणिक और जाति प्रमाणपत्रों पर उठाए गए अपने सवाल वापस ले लिए हैं और इस संबंध में माफी मांगी है।

अमोल मिटकरी ने शनिवार को अपने बयान को वापस लेते हुए कहा कि उनका इरादा किसी की छवि को नुकसान पहुंचाना नहीं था। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर उनके बयान से किसी को ठेस पहुंची है, तो वे माफी मांगते हैं। इससे पहले, मिटकरी ने यूपीएससी को पत्र लिखकर अंजना कृष्णा के दस्तावेजों की जांच की मांग की थी।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब महाराष्ट्र के करमाला उप-विभागीय पुलिस अधिकारी अंजना कृष्णा ने सोलापुर जिले में अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ कार्रवाई की। इस कार्रवाई से नाराज एनसीपी कार्यकर्ता बाबा जगताप ने अजित पवार को फोन किया और उनसे अधिकारी से बात करने को कहा।

इस बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें अजित पवार कथित तौर पर अंजना कृष्णा को फटकार लगाते और कार्रवाई रोकने का आदेश देते सुनाई दिए। वीडियो में पवार को यह कहते

हुए भी सुना गया, "मैं आपको आदेश देता हूं कि वो रुकवाओ" और "मैं तेरे पर एक्शन लूंगा।"

वीडियो वायरल होने के बाद अजित पवार पर प्रशासनिक मामलों में अनुचित हस्तक्षेप का आरोप लगाते हुए विपक्ष का दबाव बढ़ गया। आलोचनाओं का सामना करने के बाद, पवार ने शुक्रवार को सफाई दी कि उनका उद्देश्य अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देना नहीं था, बल्कि उस समय की तनावपूर्ण स्थिति को कम करना था। उन्होंने यह भी कहा कि वे नियम-कानून के खिलाफ कोई आदेश देने का इरादा नहीं रखते थे।

अमोल मिटकरी की माफी के बाद अब इस विवाद पर विराम लगता दिख रहा है। अंजना कृष्णा की सख्त कार्यशैली को जनता का समर्थन मिला है, जबकि नेताओं की भूमिका पर सवाल उठे हैं। फिलहाल, अंजना कृष्णा अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं और जिला प्रशासन अवैध खनन के मामलों पर कार्रवाई जारी रखे हुए है।

कौन हैं अमोल मिटकरी?

अमोल मिटकरी का पूरा नाम अमोल रामकृष्ण मिटकरी है। वो महाराष्ट्र विधान परिषद (एमएलसी) के एक प्रमुख सदस्य हैं। वे मई 2020 से इस पद पर कार्यरत हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) [एनसीपी (एपी)] का प्रतिनिधित्व करते हुए, उन्हें विधायकों द्वारा निर्विरोध चुना गया था।

मिटकरी अपने भाषणों और महाराष्ट्र में किए गए सामाजिक कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जाने जाते हैं। उनका जन्म 1982 में अकोला जिले के कुटासा में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में की थी और वे संभाजी ब्रिगेड के राज्य प्रवक्ता भी रह चुके हैं।

एनसीपी के राज्य महासचिव और पार्टी प्रवक्ता के तौर पर, मिटकरी ग्रामीण विकास, शिक्षा और किसानों के अधिकारों की वकालत के लिए व्यापक रूप से सम्मानित हैं। एक युवा नेता के रूप में उनकी एक बेदाग सार्वजनिक छवि है महाराष्ट्र में समावेशी विकास और सामाजिक न्याय के लिए अमोल मिटकरी एक सशक्त आवाज बने हुए हैं।

अरवल्ली जिले में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम में हुए एमओयू से 460 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश, रोजगार के नए 1300 अवसर सृजित होंगे

अरवल्ली, 06 सितंबर : अरवल्ली जिला मुख्यालय मोडासा में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उद्योग एवं खान-खनिज विभाग द्वारा कुल 10 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। उद्योग विभाग के 5 एमओयू के माध्यम से 344.23 करोड़ रुपए तथा खान एवं खनिज विभाग के 5 एमओयू के माध्यम से 125 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इन परियोजनाओं द्वारा अनुमानित 1300 लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, जो अरवल्ली जिले के आर्थिक तथा औद्योगिक विकास को नई गति देंगे। तत्कालीन मुख्यमंत्री

तथा वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन से शुरू हुई वाइब्रेंट गुजरात समिट के सफल मॉडल को अब राज्य के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में प्रादेशिक (क्षेत्रीय) स्तर पर विस्तृत कर राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए नया अध्याय शुरू किया गया है।

इस अवसर पर उद्योग आयुक्त श्री पी. स्वरूप (आईएएस) ने अपने संबोधन में कहा, ह्व2003 में शुरू हुई वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल आज रीजनल स्तर पर पहुँची है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक सामूहिक प्लेटफॉर्म तैयार हुआ है, जो स्किल डेवलपमेंट, एमएसएमई तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रहा है। आज इस प्लेटफॉर्म द्वारा उद्योगों को प्रोत्साहन मिल रहा है, जो गुजरात के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा ह्व

औद्योगिक क्षेत्र में हुए बदलाव के विषय में गुजरात खनिज विकास निगम (जीएमडीसी) के प्रबंध निदेशक श्री रूपवंत सिंह (आईएएस) ने कहा, ह्वआज हम एआई के युग में नई ऊँचाइयाँ पार कर रहे हैं। पिछले 100 वर्षों में औद्योगिक क्षेत्र में अनेक बदलाव आए हैं। वाइब्रेंट गुजरात का अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय स्तर पर आयोजन सफल नेतृत्व का परिणाम है। इस पहल से गुजरात के उद्योगों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है ह्व

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया एरोकॉन 2025 का शुभारंभ, कैंसर उपचार और शोध में मिलेगी नई दिशा

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साई छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सेवा के प्रति प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हैं, नए कैंसर उपचार कार्यक्रमों की घोषणा करते हैं और राज्य भर में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता का स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रदेशवासियों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में वित्तीय संसाधन कभी बाधा नहीं बनेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज सभागार में 'एरोकॉन 2025' छत्तीसगढ़झमध्यप्रदेश चैप्टर के दो दिवसीय आयोजन का शुभारंभ कर विशेषज्ञों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने मेडिकल कॉलेज रायपुर के छात्रों के लिए 65 करोड़ रुपये की लागत से नए छात्रावास निर्माण की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हजारों मरीज आज विशेषज्ञ चिकित्सकों के परिश्रम और नवीनतम चिकित्सा पद्धतियों के कारण संजीवनी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते दो दशकों में कैंसर की प्रारंभिक पहचान और उपचार के क्षेत्र में हुए शोध से भविष्य के लिए नई उम्मीदें जगी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रत्येक जिले में कैंसर डे-केयर सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं और छत्तीसगढ़ भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत प्रदेश में अनेक मरीजों का इलाज संभव हुआ है। जीएसटी में कैंसर की दवाइयों और उपकरणों को सस्ता किए जाने से मरीजों को बड़ी राहत मिली है। श्री साय ने बताया कि राज्य के अस्पतालों में कैंसर उपचार के लिए अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं और आज ही एम्स रायपुर में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम का शुभारंभ किया जा रहा है, जो यह प्रमाणित करता है कि सरकारी अस्पताल नवीनतम तकनीक अपनाने में अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) कैंसर की पहचान में बेहद उपयोगी सिद्ध हो रही है और राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में इसे तेजी से शामिल कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार लगातार स्वास्थ्य बजट में वृद्धि कर रही है और नये मेडिकल कॉलेज खोल रही है। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में 5,000 बिस्तरों की क्षमता वाली मेडिसिटी का निर्माण किया जा रहा है। बस्तर और सरगुजा जैसे दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार हर विकल्प पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि सरगुजा, धरमजयगढ़ और बस्तर में नये अस्पताल स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एरोकॉन 2025 संगोष्ठी कैंसर की रोकथाम और उपचार की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एरोकॉन 2025 के सातवें आयोजन में कैंसर उपचार से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ एक मंच पर आए हैं। इससे इस बीमारी के इलाज में नये आयाम खुलेंगे। उन्होंने कहा कि रायपुर स्थित मेकाहारा अस्पताल न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि मध्यभारत के अन्य राज्यों के मरीजों के लिए भी प्रमुख उपचार केंद्र है। भविष्य में अत्याधुनिक तकनीकों और मशीनों के माध्यम से यहां चिकित्सा सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मेडिकल कॉलेज रायपुर राज्य का सबसे बड़ा कैंसर सेंटर है, जहाँ आधुनिकतम सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने जानकारी दी कि आने वाले समय में प्रदेश में छह फिजियोथेरेपी कॉलेज स्थापित होंगे, बस्तर और सरगुजा में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल प्रारंभ होंगे, मानसिक रोगियों के लिए पृथक चिकित्सालय और नेचुरोपैथी कॉलेज खोले जाएंगे। मेकाहारा में 232 करोड़ रुपये की लागत से 700 बिस्तरों की वृद्धि की जाएगी तथा रोबोटिक सर्जरी और आईवीएफ सेंटर जैसी नवीनतम सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी।

कब मिलेगा बीसीसीआई को नया अध्यक्ष? डेट आ गई सामने, कितने सालों के लिए होगा कार्यकाल

(जीएनएस)।

रोजर बिन्नी के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को नया अध्यक्ष मिलना है। बिन्नी के हटने पर राजीव शुक्ला को एक्टिंग प्रेसिडेंट बनाया गया था। उम्र की सीमा पूरी होने की वजह से रोजर बिन्नी को अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा था। नए अध्यक्ष की डेट सामने आ गई है।

बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक 28 सितंबर को यहां आयोजित की जाएगी, जिसमें कई महत्वपूर्ण पदों के लिए चुनाव होंगे। इसमें बीसीसीआई अध्यक्ष और आईपीएल चेयरमैन जैसे पद प्रमुख एजेंडे में शामिल हैं। इससे पता चल जाएगा कि बोर्ड में नया अध्यक्ष कौन होने वाला है।

बोर्ड में सभी अहम पदों पर चुनाव होना प्रस्तावित है लेकिन वास्तव में एक पद के लिए इलेक्शन होगा। बाकी लोग अपने पदों पर बने रह सकते हैं।

सेक्रेटरी का अहम पद इस समय देवजीत सैकिया के पास है और वह अपने पद पर बने रहेंगे।

आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल के छह वर्षों की कुल सेवा अवधि पूरी होने के बाद अब उन्हें अनिवार्य कूल-ऑफ पीरियड में जाने की संभावना है। धूमल अब किसी अन्य पोजीशन पर फिलहाल तो नहीं आ सकते। सैकिया को इसी साल जनवरी में सेक्रेटरी बनाया गया है, इस वजह से उनकी पोस्ट के लिए कोई चुनाव नहीं होगा। जय शाह की जगह उनको पोस्ट मिली थी।

रोहन गौंस देसाई इस वर्ष मार्च में संयुक्त सचिव चुने गए थे, उनके अलावा प्रभतेज भाटिया को जनवरी में देवजीत सैकिया के साथ ही कोषाध्यक्ष बनाया गया था। इन दोनों के पदों के लिए भी चुनाव नहीं होगा। मुख्य मुद्दा अध्यक्ष पद का इलेक्शन है।

राजीव शुक्ला को उपाध्यक्ष होने के नाते एक्टिंग प्रेसिडेंट बनाया गया था लेकिन वह अध्यक्ष नहीं बन सकते हैं। वह अध्यक्ष के लिए निर्धारित 70 वर्ष की उम्र वह इसी साल पार कर गए हैं।

रोजर बिन्नी को भी हाल हे में 70 साल की उम्र पूरी होने पर पद छोड़ना पड़ा था। 28 सितंबर को नया बोर्ड अध्यक्ष सामने आएगा और उसी दिन एशिया कप का फाइनल है।

चैटजीपीटी को बर्बाद करने के लिए चीन ने बनाया तगड़ा प्लान, एआई एजेंट्स के जरिए देगा अमेरिका को चुनौती?

(जीएनएस)।

चीन साल 2026 से AI एजेंट्स से कमाई करने की योजना पर काम कर रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने खुद भी कई बार कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक में अमेरिका के दबदबे को चुनौती देने के लिए बीजिंग तैयार है। इसके लिए ड्रैगन ने भारत से भी मदद मांगी है। अब अमेरिका के वर्चस्व को तकनीक के क्षेत्र में खत्म करने के लिए चीन एआई एजेंट्स से कमाई करने के प्लान पर काम कर रहा है। अगर यह योजना सफल होती है, तो सीधे तौर पर चैटजीपीटी को बड़ा नुकसान हो सकता है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट में यूबीएस के एक्सपर्ट्स के हवाले से दावा किया गया है कि 2026 में चीन की कंपनियां अक से पैसे कमाने लगेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि जैसे-जैसे डीपसीक जैसे मॉडल्स और स्मार्ट हो रहे हैं, उससे कमाई की संभावना भी मजबूत होती जा रही है।

AI एजेंट्स को आप आसान भाषा में स्मार्ट सिस्टम कह सकते हैं। ये AI एजेंट्स ChatGPT जैसे जनरेटिव AI टूल्स से भी ज्यादा कुशलता से कम समय में कठिन टास्क पूरे कर सकते हैं। एआई एजेंट्स बनाने में गूगल, ओपनएआई (OpenAi) जैसी बड़ी कंपनियां प्रतियोगिता में हैं। हाल ही में जर्मनी की भी एक बड़ी कंपनी की स्टार्टअप डीपएल ने भी ऐसे ही एक एआई एजेंट को लॉन्च करने का ऐलान किया है। इन सबके बीच चीन अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एजेंट पर भारी मात्रा में निवेश कर रहा है। माना जा रहा है कि अगले साल से इन एजेंट्स से कमाई भी की जा सकेगी।

कैसे काम करेगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एजेंट

- AI एजेंट्स ऐसे सॉफ्टवेयर प्रोग्राम या सिस्टम होते हैं, लेकिन इनकी खासियत है कि यह बहुत तेजी से काम करता है और इंसानों की तरह सोचने और काम करने के मुताबिक खुद को ढाल सकते हैं।
- ये अपने आसपास की जानकारी को समझते हैं और उस जानकारी के मुताबिक काफी हद तक सही फैसले ले सकते हैं।
- इन्हें एक तरह का डिजिटल हेल्पर समझा जा सकता है, जो इंसानों का काम आसान कर उनकी प्रोडेक्टिविटी कई गुणा तक बढ़ा सकता है। एआई एजेंट्स डेटा का एनालिसिस करते हैं और उससे गोली की रफ्तार की तरह सीखते भी हैं।